वर्ष 42 अंक 246
पृष्ठ 24
गोरखपुर, गुरुवार
22 दिसंबर 2016
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.50

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

बेटी नहीं, बेटा चाहती थीं गीता की मां 22
शीर्ष पर अश्विन और जडेजा 22

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

आत्मनिर्भर बनाएगी गुड़ प्रसंस्करण इकाई

प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करते सांसद महंत योगी आदित्यनाथ।

- गुड़ बनाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं किसान
- पीपीगंज में योगी ने किया शिलान्यास

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, चौक माफी पीपीगंज में गुड़ प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और आने वाले वर्षों में उनकी आय को दोगुना करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान की कड़ी है।

यह बातें गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सांसद महन्त योगी आदित्यनाथ ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं भारतीय गन्ना शोध संस्थान लखनऊ के सहयोग से स्थापित होने वाले गुड़ प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास एवं किसानों के लिए आयोजित वैज्ञानिक संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि देश के अन्दर सबसे उर्वरा भूमि पूर्वी उत्तर प्रदेश की है। जल की प्रचुरता एवं उपजाऊ भूमि होने के बावजूद यहां का किसान विपन्न है। जागरूकता एवं वैज्ञानिक जानकारी के अभाव में आज भी वह प्राचीन पद्धति से ही खेती करता है। इसका परिणाम है कि जहां पश्चिमोत्तर उत्तर प्रदेश का किसान प्रति हेक्टेयर 75 से 100 टन गन्ने का उत्पादन करता है वहीं यहां का किसान बमुश्किल 50 से 60 टन गन्ने का उत्पादन कर पाता है, जबकि गन्ना उत्पादन की दृष्टि से यह क्षेत्र और यहां की जलवायु अत्यन्त उपयोगी है। गोरखपुर-बस्ती मंडल में कभी 31 चीनी मिलें चलती थी लेकिन आज 10 मिलें ही चल पा रही हैं। उन पर भी गन्ना किसानों का करोड़ों रुपया बकाया है। खेती में कम उत्पादन, चीनी मिलों की बंदी, चल रही मिलों द्वारा गन्ना मूल्य का भुगतान न करने के कारण यहां का किसान गन्ने की खेती से विमुख हुआ। विधायक कैंपियरगंज फतेह बहादुर सिंह ने इकाई स्थापित कराने के लिए सांसद योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे किसानों की नगदी की फसल के दिन वापस आएंगे। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा. एडी पाठक ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में गन्ने को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करके चीनी, खांडसारी एवं गुड़ का उत्पादन किया जाता है। सामान्यतया कुल उत्पादित गन्ने का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा चीनी उत्पादन के लिए, 19 प्रतिशत खांडसारी एवं गुड़ उत्पादन के लिए तथा 10.11 प्रतिशत भाग बोआई एवं चूसने के लिए प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में जब चीनी मिलें उत्पादित गन्ने को पेरने में सक्षम नहीं हो पाती तो किसानों को अपनी फसल एवं आय को सुरक्षित रखने के लिए गुड़ बनाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इससे किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। गुड़ प्रसंस्करण एवं एवं प्रशिक्षण इकाई की स्थापना इसी मकसद से की जा रही है। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ शीघ्र ही कुशीनगर और बस्ती में भी इस प्रकार के केंद्र स्थापित करेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र लखनऊ के प्रभारी प्रधान वैज्ञानिक डा. एसएन सिंह ने कहा कि गुड़ मिठास के अतिरिक्त खाद्य पदार्थ भी है क्यों इसमें शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों जैसे ग्लूकोज फ्रक्टोज, आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस, प्रोटीन आदि प्रचुर मात्रा में होते हैं। उत्तम किस्म का गुड़ की अच्छी पैकेजिंग किसानों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत हो सकती है। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय मंत्री डा. धर्मेन्द्र सिंह, हिंदू युवा वाहिनी के जिला संयोजक रमाकांत निषाद, जिला महामंत्री विजय शंकर यादव, ग्राम प्रधान महेन्द्र मिश्र, मधुसूदन मिश्र, मृत्युंजय सिंह, सिंह, ई. पीके मल्ल, उमापति, यूएस गौतम, डा. राकेश कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़

अमर उजाला

गोरखपुर
बृहस्पतिवार, 22 दिसंबर 2016

amarujala.com

जस्टिस लोढ़ा समिति मिलने का समय नहीं दे रही : अनुराग...19

आदित्यनाथ ने गुड़ प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास किया

पीपीगंज। चौकमाफी स्थित गोरखनाथ कृषि विकास केंद्र के प्रांगण में भारतीय गन्ना अनुसंधान लखनऊ एवं कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान भानपुर के तत्वावधान में बुधवार को गुड़ प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास सांसद आदित्यनाथ ने किया। इस मौके पर डॉ. एसएन सिंह प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र लखनऊ, डॉ. एसडी पाठक निदेशक भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद लखनऊ, बृजेश यादव, ब्लॉक प्रमुख जंगल कौड़िया, अमित सिंह मोनू आदि मौजूद रहे।